रखाव लागत निकल आए तथा पूंजीगत लागत का कुछ हिस्सा वसूल हो जाए आशा की जाती कि राज्य सरकारें मामले पर आगे कार्यवाही करेंगी ।

Corruption in Recruitment in HFC unit at Barauni

1633. SHRI SUKOMAL SEN : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that several MPs and some trade unions have complained against corruption in the matter of recruitment in the Hindustan Fertilizer Corporation (H.F.C.) unit at Barauni ;

(b) if so, what are the details thereof ;

(c) whether any enquiry has been instituted into the matter ;

(d) if so, the names and designations of Officers who are conducting the enquiry ; and

(e) whether the enquiry report has been submitted and if so, what are the contents of the report ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF FERTILIZERS (SHRI K. NATWAR SINGH) : (a) to (e) Yes, Sir. A number of complaints have been received about the alleged irregularities in the recruitment of Mazdoors in the Barauni Unit of Hindustan Fertilizer Corporation Ltd. (HFC). The HFC managment asked S/Shri S.M. Bhatnagar, Senior Vigilance Officer and R.Bhatia, Senior Personnel Officer of the Corporate Office to conduct an enquiry into the matter. The preliminary enquiry reports does not substantiate any irregularity.

बैलों की कमी

1634. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान जनवरी-मार्च, 1986 की पत्रिका "ग्राम-शिल्प" में "बैलों की जरुरत है" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित लेख की ओर दिलाया गया है, जिसमें यह कहा गया है कि देश में कुल कृषि योग्य भूमि 4 हजार करोड़ एकड़ है, जिसकी जुताई के लिए 4 करोड़ हलों अर्थात् आठ करोड़ बैलों, बैलगाड़ी खींचने के लिए 1.70 करोड़ बैलों तथा ग्रामीण उद्योग चलाने के लिए 2.80 करोड़ बैलों की आवश्यकता है ;

(ख) क्या यह सच है कि 12.50 करोड़ बैलों की आवश्यकता है, परन्तु केवल 7.33 करोड़ बैल ही उपलब्ध हैं तथा इस अंतर को कम करने की अपेक्षा काफी संख्या में बैलों को काटा जा रहा है ; और

(ग) खेती के लिए कितने बैल उपलब्ध हैं और कितने प्रतिवर्ष काट जाते हैं, और बैलों की कमी को पूरा करने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) यदि यह मान लें कि 0.8 हार्स पावर प्रति हेक्टर (राष्ट्रीय कृषि आयोग, 1976 . की जरुरत होती है तो देश की कुल कृष्य भूमि (1982–83) के 1559 लाख हेक्टार में कृषि कार्यों के लिये 1247.2 लाख हार्स पावर की कुल जरुरत होने का अनुमान है । कृषि उपकरण और मशीनरी संबंधी कार्यदल की सातवीं पंचवर्षीय योजना के लिये तैयार की जाने वाली रिपोर्ट के अनुसार अनुमान है कि कृषि कार्यों में पशु-शक्ति का हिस्सा केवल 33.62 प्रतिशत है । इसके फलस्वरूप, पशुओं का योगदान केवल 419.3 लाख हार्स पावर ही होने की सम्भावना है । एक बैल 0.5 हार्स